ज़िला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्र

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड ने दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर व्यापक सेवाएँ प्रदान करने के लिये **देहरादून के गांधी शताब्दी अस्पताल में** अपना पहला आधुनिक, बहुउद्देशीय ज़िला दिव्यांगता पुनर्वास केंद्र (DDRC) शुरू किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रदान की जाने वाली सेवाएँ:** DDRC दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, **फिजियोथैरेपी, परामर्श, सहायक उपकरण और सरकारी कल्याण योजनाओं** तक पहुँच जैसी सेवाएँ प्रदान करता है।
- **लाभार्थी सहायता:** दिव्यांग व्यक्ति **विशिष्ट आईडी ,** आधार पंजीकरण, **मनोवैज्ञानिक परामर्श, कृत्रिम अंग उपकरण, चिकित्सा उपचार और रोज़गार प्रशिक्षण** जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।
  - **उत्तराखंड की लगभग 20% जनसंख्या** किसी न किसी प्रकार की **दिव्यांगता** से प्रभावित है।
- **प्रशासन:** यह केंद्रीय समाज कल्याण विभाग की निगरानी में एक **नोडल एजेंसी के अधीन कार्य** करता है, जिसमें 14 कर्मचारी पद, एक समर्पित परिवहन वाहन और एक हेल्पलाइन शामिल हैं।
- **समग्र पुनर्वास:** चिकित्सा, सामाजिक, शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जिससे व्यापक पुनर्वास सुनिश्चित होता है।
- **स्वावलंबन पर ज़ोर:** केंद्र लाभार्थियों में **आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुनर्वास** और स्वरोज़गार योजनाओं पर विशेष ध्यान देता है।
- **बहु-विषयक टीम:** स्टाफ में फिजियोथैरेपिस्ट, भाषण एवं व्यावसायिक चिकित्सक (**speech and occupational therapists)** और परामर्शदाता शामिल हैं, जो समग्र देखभाल प्रदान करते हैं।

भारत में दिव्यांगजनों की वर्तमान स्थिति

- **जनगणना 2011 के अनुसार**, भारत में 2.68 करोड़ दिव्यांग व्यक्ति (PWD) हैं, जो कुल जनसंख्या का **2.21%** है।
  - दिव्यांगता का प्रसार महिलाओं (1.9%) की तुलना में **पुरुषों (2.4%) में अधिक है** तथा यह शहरी क्षेत्रों की तुलना में **ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है।**
- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत **21 प्रकार की दिव्यांगताओं (disabilities**) को मान्यता दी गई है, जिनमें **लोकोमोटर दिव्यांगता, दृश्य दिव्यांग, श्रवण दिव्यांग, भाषण और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, बहु-दिव्यांगता, मस्तिष्क पक्षाघात और बौनापन** आदि शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/district-disability-rehabilitation-centre